केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)

सन्दर्भ:

- हाल ही में नए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक, मुख्य सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) और लोकपाल की नियुक्तियों के संबंध में एक उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई थी।

सीबीआई निदेशक की नियुक्ति:

- सीबीआई प्रमुख की नियुक्ति की प्रक्रिया और प्रावधान दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 की धारा 4ए में वर्णित है तथा2013 में धारा 4ए को लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के बनने के बाद संशोधित किया गया था।
- नियुक्ति केंद्र द्वारा तीन सदस्यीय नियुक्ति समिति की सिफारिश पर की जाती है।
- नियुक्ति समिति में अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता (LoP) और भारत के मुख्य न्यायाधीशया उनके द्वारा नामित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश शामिल होते हैं।
- यदि मान्यता प्राप्त कोई विपक्ष का नेता नहीं है, तो समिति में सबसे बड़े दल के नेता को शामिल किया जाता है।
- केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 ने सीबीआई निदेशक का कार्यकाल 2 वर्ष निर्धारित किया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश:

- शीर्ष अदालत ने 2019 के एक आदेश में कहा था कि सीबीआई प्रमुख के पद के लिए छह महीने से कम के कार्यकाल वाले किसी भी अधिकारी पर विचार नहीं किया जा सकता है।
- अदालत ने यह भी फैसला सुनाया कि निदेशक को '2 साल से कम नहीं' के लिए कार्यालय में रहना

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई):

- सीबीआई भारत में एक प्रमुख पुलिस जांच एजेंसी है।
- यह भ्रष्टाचार निवारण पर संथानम समिति द्वारा अनुशंसित है।
- यह 1 अप्रैल, 1963 को स्थापितहै जो विशेष पुलिस बल (एसपीई), 1946 से शक्ति प्राप्त करता है।
- यह एजेंसी कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय (भारत) के अधिकार क्षेत्र में काम कर रही है।
- यह केंद्र सरकार की मुख्य एजेंसी के रूप में कार्य करती है और विभिन्न प्रकार के आपराधिक और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए प्रभावी है।
- केंद्रीय सतर्कता आयोग और लोकपाल को सहायता प्रदान करता है
- सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों से छूट।
- यह भारत में इंटरपोल एजेंसी भी है।
- मुख्यालय- नई दिल्ली।

कार्य:

- केंद्र सरकार के अधिकारियों के भ्रष्टाचार, घोटालों और दुर्व्यवहार से संबंधित मामलों की जांच।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव वाले गंभीर अपराधों की जांच।
- अपराध के आंकड़ों को बनाए रखना और

हैऔर केवल नियुक्ति समिति की सहमति से स्थानांतरित किया जा सकता है।	आपराधिक सूचना का प्रसार करना आदि।

लॉन्ग-रेंज स्टॉर्म शैडो क्रूज़

सन्दर्भ:

- यूनाइटेड किंगडम यूक्रेन को लंबी दूरी की स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल प्रदान करेगा, जिसके लिए वह आक्रमणकारी रूसी सेना से मुकबलाकरने के लिए अनुरोध कर रहा है।

मुख्य विशेषताएं:

- स्टॉर्म शैडो एक लंबी दूरी कीहवा से लॉन्च की जाने वालीपारंपरिक रूप से सशस्त्रगहरी मार करने वाली मिसाइल है, जिसे फ्रांस स्थित एमबीडीए मिसाइल सिस्टम्स द्वारा निर्मित किया गया है।
- इसका निर्माण 1997 में किया गया था।
- 250 किमी से अधिक की मारक क्षमतावालीस्टॉर्म शैडो का वजन 1,300 किलोग्राम है और यह 5.10 मीटर लंबी है।
- यह सभी मौसमों और दिन व रात मेंसंचालित करने में सक्षम है जो एयरबेस, राडार प्रतिष्ठानों, संचार केंद्रों और बंदरगाह सुविधाओं जैसे उच्च-मूल्यवान स्थिर लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- एयरफोर्स टेक्नोलॉजी की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि जो चीज इस मिसाइल को एक गुप्त हथियार बनाती है वह इसकी लंबी दूरी, कम ऊंचाई और सुपरसोनिक गति का संयोजन है।
- इसकी नई तकनीक से लैस स्टॉर्म शैडो भी उच्च परिशुद्धता वाली गहरी मार करने की क्षमता प्रदान करता है क्योंकि इसमें एक परिष्कृत नेविगेशन प्रणाली है।
- इस मिसाइल में BROACH (बम रॉयल ऑर्डनेंस ऑगमेंटेड चार्ज) वारहेड है जो एक उच्च-प्रौद्योगिकी वारहेड, यह पहले लक्ष्य की सतह को काटता है, उसमें प्रवेश करता है और फिर विस्फोट करता है।

माइटोकॉन्ड्रियल रोग और माइटोकॉन्ड्रियल दान उपचार (एमडीटी)

सन्दर्भ:

- हाल ही में यूके में तीन व्यक्तियों के डीएनए का उपयोग करके एक बच्चे के जन्म की घोषणा से हलचल मच गई।

मुख्य विशेषताएं:

- तकनीकी रूप सेबच्चेकेतीनमाता-पिताहैं,जैविक माता-पिता से आनुवंशिक सामग्री (डीएनए) के
- कुछ अनुमान माइटोकॉन्ड्रियल बीमारियों की घटनाओं को 5000 लोगों में से एक मानते हैं।

माइटोकॉन्ड्रियल दान उपचार (एमडीटी):

अलावा एक दाता से माइटोकॉन्ड्रिया प्राप्त करते हैं।

- बच्चे को मां की माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी आनुवंशिक में मिलने से रोकने के लिए, इसे सुविधाजनक बनाने के लिए अग्रणी तकनीक का इस्तेमाल किया गया था।

माइटोकॉन्ड्रिया रोग:

- माइटोकॉन्ड्रिया किसी भी कोशिका के अंदर पाया जाता है जिसका मुख्य काम कोशिका के हर हिस्से में ऊर्जा पहुंचाना होता है।
- माइटोकॉन्ड्रिया कोशिकाओं के लिए ऊर्जा पैदा करने के तरीके को प्रभावित करने वाले कुछ दोष हो सकते हैं।
- विशेष रूप से मस्तिष्क, तंत्रिकाओं, मांसपेशियों, गुर्दे, हृदय, यकृत के 'ऊर्जा' ऊतकों मेंजो कोशिका के कार्य को प्रभावित करता है।
- ऐसे माइटोकॉन्ड्रियल म्यूटेशन से उत्पन्न होने वाले रोगों को माइटोकॉन्ड्रियल रोग कहा जाता है।
- जब माइटोकॉन्ड्रिया बिगड़ा हुआ होता है और पर्याप्त ऊर्जा का उत्पादन नहीं करता है, तो यह अंगों के काम करने के तरीके को प्रभावित करता है, जिससे पूरे शरीर में लक्षणों का एक व्यापक वर्गीकरण होता है।इसमें मस्तिष्क क्षति, अंग विफलता और मांसपेशियों का नुकसान शामिल है।
- बच्चे के बढ़ने के साथ-साथ इसके लक्षण अधिक से अधिक कमजोर होते जाते हैंजिसका कोई इलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज किया जा सकता है।
- MDT को माइटोकॉन्ड्रियल रिप्लेसमेंट थेरेपी (MRT) के रूप में भी जाना जाता है।
- माइटोकॉन्ड्रियल रोग केवल मां द्वारा प्रसारित होते हैंऔर अनुसंधान शिशु को आनुवंशिक में मिली बीमारी से बचाने का एक तरीका खोजने का प्रयास कर रहा है।
- यहां, एक उन्नत इन विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीक के माध्यम सेबच्चे के जैविक पिता के शुक्राणु का उपयोग जैविक मां के अंडों को निषेचित करने के लिए किया गया था, जिसे माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी हैऔर एक अलग सेतीसरीस्पष्ट माइटोकॉन्ड्रिया वाली महिला दाता होती है।
- इसके बाददाता के अंडे से परमाणु अनुवांशिक सामग्री को हटा दिया जाता है और जैविक माता-पिता से अनुवांशिक सामग्री के साथ बदल दिया जाता है।
- अंतिम उत्पाद - अंडा - जिसमें माता-पिता से आनुवंशिक सामग्री (डीएनए) और महिला दाता से माइटोकॉन्ड्रिया होता है, गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाता है।
- यह मां के माइटोकॉन्ड्रियल रोग से मुक्त बच्चे को पैदा करने के लिए पूरी अवधि तक ले जाया गया।

प्रक्रियाओं का दुष्प्रभाव:

- कभी-कभी यह संभव है कि प्रक्रिया के दौरान त्रुटियों के साथ मातृ माइटोकॉन्ड्रिया की एक छोटी मात्रा निकल जाए।

अपरिपक्व जन्म (Preterm Births)

सन्दर्भ:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन की बॉर्न टू सून: प्रीटरमबर्थ रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत में समय से पहले जन्म की संख्या सबसे अधिक दर्ज की गई जो 3.2 मिलियन है।

अपरिपक्व जन्म के बारे में:

- प्रीटर्म को गर्भावस्था के 37 सप्ताह पूरे होने से पहले जीवित पैदा हुए बच्चों के रूप में परिभाषित किया गया है।
- WHO द्वारा परिभाषित गर्भकालीन आयु के आधार परसमयपूर्व जन्म की तीन श्रेणियां है:
  - अत्यधिक अपरिपक्व (28 सप्ताह से कम)।
  - बहुत अपरिपक्व (28 से 32 सप्ताह की बीच)।
  - मध्यम से देर तक अपरिपक्व (32 से 37 सप्ताहकी बीच)।
- प्रीटर्म जन्म अनायास या कई चिकित्सीय कारणों से हो सकता है, जिसमें संक्रमणया गर्भावस्था की अन्य जटिलताएं शामिल हैं।इसके लिए जल्दी श्रम (early induction of labour) या सीजेरियन जन्म की आवश्यकता होती है।

- WHO की रिपोर्ट के अनुसार, 2010 और 2020 के बीच समय से पहले जन्म की दरों में बहुत कम बदलाव आया है।
- वास्तव मेंयह विश्व के कुछ हिस्सों में बढ़ भी रहा है। 2020 मेंअनुमानित 13.4 मिलियन बच्चे समय से पहले पैदा हुए थे।
- प्रीटर्म जन्म से कई लोगों के लिए श्वसन और हृदय प्रणाली को दीर्घकालिक क्षति से जुड़ा हुआ है जिसका न्यूरोडेवलपमेंटल प्रभाव भी हो सकता है।
- अक्षमताएं कम गंभीर परिणामों से लेकर डिप्लेजिया जैसी बड़ी अक्षमताओं तक हो सकती हैं।
- समयपूर्व जन्म के अधिकांश मामले दक्षिणी एशिया और उप-सहारा अफ्रीका में होते हैं, लेकिन समय से पहले जन्म वास्तव में एक वैश्विक समस्या है।

आदर्श कारागार अधिनियम 2023

सन्दर्भ:

- हाल ही में केंद्र सरकार ने कैदियों के सुधार और पुनर्वास की अनुमति देने के लिए नया कानून 'आदर्श कारागार अधिनियम, 2023' को अंतिम रूप दिया।

मुख्य विशेषताएं:

- मौजूदा 'जेल अधिनियम, 1894' लगभग 130 साल पुराना है जो मुख्य रूप से अपराधियों को हिरासत में रखने और जेलों में अनुशासन और व्यवस्था लागू करने पर केंद्रित है, इसमें सुधार और पुनर्वास का कोई प्रावधान नहीं है।
- आदर्श कारागार अधिनियम, 2023 का उद्देश्य कैदियों का सुधार और पुनर्वास, कैदियों को अच्छे आचरण, महिलाओं और ट्रांसजेंडर कैदियों के लिए विशेष प्रावधानों को शामिल करने के लिए पैरोल और छूट के प्रावधान करने पर मार्गदर्शन प्रदान करके मौजूदा जेल अधिनियम में अंतर को दूर करना है।
- नए आदर्श कारागार अधिनियम की कुछ मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:
  - सुरक्षा मूल्यांकन और कैदियों के अलगाव के लिए एक प्रावधान,
  - व्यक्तिगत वाक्य योजना,
  - शिकायत निवारण, जेल विकास बोर्ड की स्थापना, और कैदियों के शारीरिक और मानसिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना।
- इस अधिनियम में जेल प्रशासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रावधान जैसे अदालतों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और जेलों में वैज्ञानिक और तकनीकी हस्तक्षेप भी शामिल हैं।
- इसमें जेलों में मोबाइल फोन जैसी प्रतिबंधित वस्तुओं का इस्तेमाल करने पर कैदियों और जेल कर्मचारियों की सजा का प्रावधान भी शामिल है।
- यह अधिनियम उच्च सुरक्षा वाली जेलों, खुली जेलों (खुली और अर्ध-खुली) की स्थापना और प्रबंधन तथा कठोर अपराधियों और आदतन
- यह अधिनियम कैदियों को कानूनी सहायता प्रदान करता है।
- यह अधिनियम बंदियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास पर ध्यान केन्द्रित करता है ताकि समाज में उनके पुनःएकीकरण को सुगम बनाया जा सके।

महत्व:

- हर क्षेत्र में सुधार लाने के सरकार के फैसले से देश भर में जेल प्रबंधन और कैदियों के प्रशासन में अधिक पारदर्शिता और सुधार आएगा।

साइड नोट:

- **पैरोल:** पैरोल एक सशर्त रिहाई है जो एक ऐसे व्यक्ति को दी जाती है जिसे अपराध का दोषी ठहराया गया है और वह जेल की सजा काट रहा है। यह पैरोल अधिकारी की देखरेख में व्यक्ति को अपनी पूरी सजा पूरी करने से पहले रिहा करने की अनुमति देता है।
- **फर्लो:** फर्लो (जिसे अस्थायी छुट्टी के रूप में भी जाना जाता है) एक कैदी को दी गई एक अल्पकालिक रिहाई है, जिससे उन्हें अस्थायी रूप से जेल सुविधा छोड़ने की अनुमति मिलती है। फर्लो आमतौर पर विशिष्ट कारणों जैसे कि पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेना, चिकित्सा उपचार प्राप्त करना, या शैक्षिक या व्यावसायिक कार्यक्रमों में भाग लेना से दिए जाते हैं।
- **छूट:** अच्छे व्यवहार, पुनर्वास कार्यक्रमों में भागीदारी या कानूनी प्रणाली द्वारा निर्धारित अन्य कारकों के परिणामस्वरूप एक कैदी की सजा में कमी या जल्दी रिहाई को संदर्भित करता है।

अपराधियों की आपराधिक गतिविधियों से समाज की सुरक्षा का प्रावधान करता है।	

संक्षिप्तसुर्खियां

कुकी

सन्दर्भ:

- मणिपुर में कुकी समुदाय के सभी 10 विधायक (सरकार में दो मंत्रियों सहित) ने एक अलग प्रशासन की मांग की, जिसमें कहा गया कि मणिपुर राज्य चिन-कुकी-ज़ोमी आदिवासियों की "रक्षा करने में बुरी तरह विफल" रहा है।

कुकी लोगों के बारे में:

- कुकी लोग मिज़ो हिल्स (पूर्व में लुशाई) के मूल निवासी एक जातीय समूह हैं, जो मिज़ोरम के दक्षिण-पूर्वी भाग में एक पहाड़ी क्षेत्र है।
- कुकी भारत, बांग्लादेश और म्यांमार के भीतर कई पहाड़ी जनजातियों में से एक है।
- पूर्वोत्तर भारत में वे अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में मौजूद हैं।
- 'कूकी' शब्द भारत के ब्रिटिश और बंगालियों द्वारा दिया गया था, हालांकि यह समूह Zo/Zomi से निकला है।
- भारत में कुकी लोगों की कुछ पचास जनजातियों को उस विशेष कुकी समुदाय द्वारा बोली जाने वाली बोली और साथ ही उनके मूल क्षेत्र के आधार पर अनुसूचित जनजातियों के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- 2012 की जनगणना के अनुसार, मणिपुर में जातीय कुकी आबादी 28.5 लाख आबादी का लगभग 30% है।

मोनलम चेनमो (Monlam Chenmo)

सन्दर्भ:

- हाल ही में विश्व शांति और खुशी के लिए बौद्ध भिक्षुओं और ननों द्वारा एक सामूहिक प्रार्थना शिविर, वार्षिक पांच दिवसीय महान प्रार्थना महोत्सव, "लद्दाख मोनलम चेनमो" लेह, लद्दाख में शुरू हुआ।

मुख्य विशेषताएं:

- मोनलम चेनमो का अनुवाद "महान प्रार्थना महोत्सव" या "महान प्रार्थना सभा" है।
- यह तिब्बती बौद्ध मठों में आयोजित होने वाला एक वार्षिक आयोजन है जिसे सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठानों में से एक माना जाता है।
- **उत्पत्ति:** तिब्बती बौद्ध धर्म के गेलुग स्कूल के संस्थापक जे चोंखापा द्वारा मोनलम चेनमो की स्थापना 15वीं शताब्दी में की गई थी।

- मूल रूप से इसका उद्देश्य भिक्षुओं और आम लोगों को विश्व शांति और सभी सत्वों की भलाई के लिए सामूहिक प्रार्थनाओं में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करना था।
- **महत्व:** तिब्बती बौद्ध परंपरा में मोनलम चेनमो का बहुत महत्व है क्योंकि यह अभ्यास करने वालों के लिए योग्यता संचय करने, नकारात्मक कर्मों को शुद्ध करने और सभी प्राणियों के लाभ के लिए सकारात्मक आकांक्षाओं को उत्पन्न करने के अवसर के रूप में कार्य करता है।

एक स्टेशन एक उत्पाद

सन्दर्भ:

- एक स्टेशन एक उत्पाद के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 728 रेलवे स्टेशनों को कवर किया गया।

मुख्य विशेषताएं:

- हाल ही में रेल मंत्रालय ने मार्च 2022 में सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' विजन को बढ़ावा देने, स्थानीय या स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने और समाज के वंचित वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से इस योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत, रेलवे स्टेशनों पर ओएसओपी आउटलेट स्वदेशी या स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने, बेचने और उच्च दृश्यता देने के लिए आवंटित किए जाते हैं।
- इन OSOP स्टालों को एकरूपता के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान के माध्यम से डिज़ाइन किया गया है।

एलीगेटर गार

सन्दर्भ:

- श्रीनगर की डल झील में घड़ियाल की खोज ने कश्मीर के विशेषज्ञों को चकित कर दिया और हास्यपूर्ण प्रतिक्रियाओं की झड़ी लगा दी।

एलीगेटर गार के बारे में:

- वैज्ञानिक नाम: एट्रैक्टोस्टियस स्पैटुला।
- एलीगेटर गार उत्तरी अमेरिका की मूल निवासी हैं, लेकिन जल निकायों में उनके आकस्मिक परिचय के बाद अन्य क्षेत्रों में पाए गए हैं।
- इसमें मगरमच्छ जैसा सिर और मछली के नुकीले दांत होते हैं। आम तौर पर वे इंसानों पर हमला नहीं करते, लेकिन वे आठ फीट तक बढ़ सकते हैं और स्वदेशी मछली प्रजातियों के लिए खतरनाक हो सकते हैं। पहली प्रजाति के प्रागैतिहासिक प्रजाति 157 मिलियन वर्ष पहले दिखाई दिए। संरक्षण की स्थिति: IUCN लाल

	सूची: कम से कम चिंतित • साइड नोट: कश्मीर के पानी में न तो मगरमच्छ और न ही एलीगेटर पाए जाते हैं।
'हरित सागर' द ग्रीन पोर्ट गाइडलाइंस 2023 	**सन्दर्भ:** • हाल ही में केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री ने शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने के बड़े दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए हरित सागर 'ग्रीन पोर्ट दिशानिर्देश लॉन्च किए। **मुख्य विशेषताएं:** • हरित सागर दिशानिर्देश - 2023 "प्रकृति के साथ काम करने" की अवधारणा के साथ संरेखित करते हुए बंदरगाह विकास, संचालन और रखरखाव में पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करता है और बंदरगाह पारिस्थितिकी तंत्र के जैविक घटकों पर प्रभाव को कम करता है। • ये दिशानिर्देश बंदरगाह संचालन में स्वच्छ/हरित ऊर्जा के उपयोग और हरित ईंधन जैसे ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, ग्रीन मेथनॉल/इथेनॉल इत्यादि के भंडारण, प्रबंधन और बंकरिंग के लिए बंदरगाह क्षमताओं के विकास पर जोर देते हैं। • इस योजना में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के उद्देश्य से हरित पहलों के कार्यान्वयन और करीबी निगरानी शामिल है। • इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य बंदरगाह संचालन से शून्य अपशिष्ट निर्वहन प्राप्त करने के लिए कम करने, पुन: उपयोग करने, पुन: उपयोग करने और पुनर्चक्रण के सिद्धांतों को लागू करके कचरे को कम करना है। दिशानिर्देश पर्यावरण प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर निगरानी को भी बढ़ावा देते हैं। वे ग्लोबल ग्रीन रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) मानक को अपनाने के लिए भी प्रावधान प्रदान करते हैं। • इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य सभी बंदरगाहों पर पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare